INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF HUMANITIES AND INTERDISCIPLINARY STUDIES
(Peer-reviewed, Refereed, Indexed & Open Access Journal)
DOI : 03.2021-11278686 ISSN : 2582-8568 IMPACT FACTOR : 7.560 (SJIF 2024)

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के दो शिक्षा बोर्डों के माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन

(A comparative study of educational achievements of secondary level students of two educational boards of Mirzapur district of Uttar Pradesh)

डॉ. अरुण कुमार मिश्र
असिस्टेंट प्रोफेसर,
मधुस्थली इंस्टीट्यूट आफ टीचर्स ट्रेनिंग,
सलैया, मधुपुर, देवघर, झारखंड
E-mail: arun1972anpara@rediffmail.com

DOI No. 03.2021-11278686 **DOI Link ::** https://doi-ds.org/doilink/04.2024-88567646/IRJHIS2404019

शोध सार :
सामान्यत: यह अवधारणा पाई जाती है कि सीबीएसई बोर्ड के बच्चों को सुविधा ज्यादा मिलती हैं, तो उनकी शैक्षिक उपलब्धि भी ज्यादा होगी। परंतु शोध में यह पाया गया कि यूपी बोर्ड के बच्चों के पास सुविधाएं कम होने के बाद भी उनकी शैक्षिक उपलब्धि कम नहीं है। इसका अर्थ यह हो सकता है कि आज की परिस्थितियां इतनी बदल चुकी हैं कि सीबीएसई बोर्ड एवं यूपी बोर्ड के बच्चों के शैक्षिक उपलब्धि में पर्याप्त अंतर नहीं रह गया है, क्योंकि अब छात्र एवं छात्राएं दोनों बोर्ड के अपने शिक्षा पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं,और साथ–साथ मेहनत भी कर रहे हैं,जिस मेहनत के कारण यूपी बोर्ड के छात्र इस अवधारणा को तोड़ने में सफल हो रहे हैं कि सीबीएसई बोर्ड के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक होती है। प्रस्तुत शोध में मानक विचलन के आधार या सार्थकता स्तर दोनों स्तर पर देखने में यह आया कि दोनों बोर्डों के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में अंतर नहीं है, और दोनों परिकल्पनाएं स्वीकृत हुई।

मुख्य शब्द : *सीबीएसई बोर्ड, यूपी बोर्ड, शैक्षिक उपलब्धि, मानक विचलन, सार्थकता स्तर*

प्रस्तावना :

उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल एक पिछड़ा क्षेत्र माना जाता है, इस पिछड़े क्षेत्र के अंतर्गत एक पिछड़ा जिला मिर्जापुर भी है। इसी पिछड़े जिले मिर्जापुर के दो शिक्षा बोर्डों के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना यह हमारे शोध का परिक्षेत्र है। शोध का विषय – वस्तु इस अवधारणा पर स्थित है कि सीबीएसई बोर्ड एक अगड़ा बोर्ड है जिसके विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि यूपी बोर्ड अर्थात एक पिछड़े बोर्ड कीतुलना में अधिक होगी। अत: शोध केविषय वस्तु के अंतर्गत हमें यह देखना है कि क्या दोनों अर्थात सीबीएसई बोर्ड एवं यूपी बोर्ड के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि के अंतर्गत कोई अंतर है कि नहीं। और यदि अंतर है,तो कैसा, किस बोर्ड के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि अधिक है, और किस बोर्ड के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि कम है। यही शोध का विषय–वस्तु है।

शैक्षिक उपलब्धि :

शैक्षिक उपलब्धि का तात्पर्य छात्रों द्वारा अर्जित ज्ञान ,कौशल और योग्यता की मात्रा से है।इसके मापन के लिए विभिन्न प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग किया जाता है, इसमें अध्यापक निर्मित या मानकीकृत परीक्षण के माध्यम से हम छात्रों केशैक्षिक योग्यता का मापन करते हैं।इस प्रकार हम छात्रों के विद्यालयीन विषयों के अध्ययन द्वारा होने वाले ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं क्रियात्मक परिवर्तनों को मापने के लिए परीक्षा की सहायता से उसके शैक्षिक उपलब्धि का मापन करते हैं। यही छात्रों की शैक्षिक उपलब्धि हमारे शोध का आधार विषय वस्तु है।

उद्देश्य :

१—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक बोर्ड के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि को ज्ञात करना।

२—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक बोर्ड के छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि को ज्ञात करना।

३—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

४—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि की तुलना करना।

शोध परिकल्पना :

१—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक बोर्ड के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में शून्य अंतर है।

२—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक बोर्ड के छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि में शून्य अंतर है।

३—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक बोर्ड के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में शून्य सार्थक अंतर है। ४—मिर्जापुर जिले के दो माध्यमिक बोर्ड के छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि में शून्य सार्थक अंतर है।

शोध की सीमाएं :

१—शोध का परिक्षेत्र मिर्जापुर जिले तक सीमित है।

२—शोध के अंतर्गत दो शिक्षा बोर्डों यथा सीबीएसई बोर्ड एवं यूपी बोर्ड को लिया गया है।

३—शोध के अंतर्गत १०० सीबीएसई बोर्ड के छात्र एवं १०० यूपी बोर्ड के छात्र हैं।

४—शोध के अंतर्गत १०० सीबीएसई बोर्ड की छात्राएं एवं १०० यूपी बोर्ड की छात्राएं हैं।

शोध कार्य विधि में प्रस्तावित प्रविधि :

प्रस्तावित शोध कार्य के अंतर्गत शोधकर्ता द्वारा १० सीबीएसई बोर्ड एवं १० यूपी बोर्ड के विद्यालयों का चयन दैव निदर्शन विधि के द्वारा किया गया है। प्रत्येक सीबीएसई बोर्ड एवं यूपी बोर्ड के १०—१० विद्यालयों से १० छात्र एवं १० छात्राओं केशैक्षिकउपलब्धियों का चयन भी दैव निदर्शन विधि द्वारा ही किया गया है। इन चुने गए विद्यालयों के १० —१० छात्र एवं छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धियों के आधार पर ही शोधकर्ता यह जानने का प्रयास करेगा कि क्या दोनों शिक्षा बोर्डों के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में अंतर है, या नहीं। इसके लिए शोधकर्ता इन छात्रों के शैक्षिक उपलब्धियों में छात्र एवं छात्राओं का अलग—अलग माध्य, प्रमाणिक विचलन एवं टी स्कोर की गणना करेगा। इसी टी स्कोर के आधार पर कि में मान देखकर उसका ०.०५ पर और ०.०१ पर सार्थकता का मान ज्ञात करेगा। और इसी सार्थकता के मान के आधार पर शोधकर्ता अपने परिकल्पना का परीक्षण करेगा और उसी के आधार पर वह यह ज्ञात करेगा की उसकी परिकल्पना स्वीकृत हुई या नहीं।

आंकड़ों का परिकलन

क्रम संख्या	संख्या		मध्यमान		प्रमाणिक विचलन		टी स्कोर	सार्थकता	
			सीबीएसई बोर्ड	यू. पी. बोर्ड	सीबीएसई बोर्ड	यू. पी. बोर्ड		०.०५	०.०१
०१.	छात्र	१००	७३.५५	७६.३१	१२.१८	०८.८०	०१.९२	०१.९८४	०२.६२६
०२.	छात्रा	१००	७९.५५	७७.६५	०८.२७	०८.३७	०१.२९	०१.९८४	०२.६२६

कि त्र ;छः१द्ध त्र १००.०१ त्र ९९

प्रस्तुत आंकड़ों के परिकलन से यह स्पष्ट होता है कि सीबीएसई बोर्ड के छात्रों के अपेक्षा यूपी बोर्ड के छात्रों का मध्यमान अधिक है,जबकि प्रमाणिक विचलन सीबीएसई बोर्ड के छात्रों का अधिक है। जबकि छात्राओं के परिकलन में यही विषय वस्तु उल्टा दिखता है, जहां पर सीबीएसई बोर्ड के छात्राओं का मध्यमान ऊंचा है और यूपी बोर्ड के छात्राओं का मध्यमान कम है। जबकि प्रमाणिक विचलन में यूपी बोर्ड के छात्रों का मान सीबीएसई बोर्ड के छात्राओं के अपेक्षा अधिक है। सीबीएसई बोर्ड एवं यूपी बोर्ड के छात्र एवं छात्राओं का टी स्कोर निकालने पर जो परिकलन सामने आता है, उसमें छात्रों का टी स्कोर ०१.९२ है,और छात्राओं का टी स्कोर ०१.२९ है। छात्रों के टी स्कोर ०१.९२ को सार्थकता ०.०५ पर कि १.९८४ और ०.०१पर ०२.६२६ प्राप्त हुआ जो यह प्रदर्शित करता है कि टी स्कोर का मान सार्थकता मान से कम है, अत: परिकल्पना स्वीकृत हुई। इसी तरह छात्राओं के टी स्कोर में १.२९ में भी .०५ सार्थकता स्तर पर कि १.९८४ और.०१ सार्थकता स्तर पर कि २.६२६ प्राप्त हुआ। अर्थात टी स्कोर का मान सार्थकता मान से कम है अत: परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्ष :

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि प्रथम शोध परिकल्पना मिर्जापुर जिले के दो शिक्षा बोर्डों के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में शून्य अंतर है स्वीकृत की जाती है। अर्थात सीबीएसई बोर्ड और यूपी बोर्ड के छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि में कोई विशेष अंतर नहीं है। इसी तरह द्वितीय शोध परिकल्पना कि मिर्जापुर जिले के दो शिक्षा बोर्डों के छात्राओं के शैक्षिक उपलब्धि में शून्य अंतर है भी स्वीकृत हुई। अर्थात छात्राओं के भी शैक्षिक उपलब्धि में दो शिक्षा बोर्ड के मध्य कोई विशेष अंतर नहीं है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१ – गुप्ता एसपी एवं गुप्ता अलका, उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान, शारदा पुस्तक भवन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स इलाहाबाद यूपी

२–डॉ पांडे के.पी., नवीन शिक्षा मनोविज्ञान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक , वाराणसी, उत्तर प्रदेश

३–डॉ पांडे के.पी., शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

४– डॉक्टर पांडे के.पी., शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, चौक, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

५–डॉ सुलेमान मोहम्मद, मनोविज्ञान शिक्षा एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों में सांख्यिकी, मोतीलाल बनारसी दास, चौक, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

६– प्रभु जी जी १९८७, भारत में बाल और किशोर मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान एक सिंहावलोकन, सेंचुरी पब्लिकेशन

७–श्रीवास्तव डी एन, २००९, अनुसंधान विधियां, साहित्य प्रकाशन, आगरा, उत्तर प्रदेश